



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 166 ]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 24, 2000/श्रावण 2, 1922

No. 166]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 24, 2000/SRAVANA 2, 1922

## वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2000

## सार्वजनिक सूचना सं. 23 (आर.ई.-00)/1997—2002

फा. सं. 01/94/180/एच बी/ए.एम 01/पीसी 4.—का. आ. 283 (अ) तारीख 31 मार्च, 1997 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप खण्ड (ii) में यथा-अधिसूचित निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के पैराग्राफ 4.11 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतदद्वारा, प्रक्रिया पुस्तक (भाग-1) (आर.ई. 00), 1997—2002 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

- पैराग्राफ 6.5 की प्रथम वाक्य (चौथी पंक्ति) में आने वाले शब्द और अभिव्यक्ति 'पैराग्राफ 5.6' को ठीक करके 'एग्जिम नीति का पैराग्राफ 5.11' पढ़ा जाएगा।
- पैराग्राफ 7.11 के प्रथम वाक्य को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“अन्तरर्वर्ती आपूर्ति के लिए अग्रिम लाइसेंस की मंजूरी हेतु आवेदन निर्यातक के साथ समझौते के आधार पर प्रस्तुत किया जाएगा जिसके पास वास्तविक निर्यात/मान्य निर्यात/वार्षिक आवश्यकता के लिए अग्रिम लाइसेंस हो।”

- पैराग्राफ 7.11 की बार्वीं पंक्ति पर शुरू होने वाले अंतिम वाक्य को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

(1)

“ऐसे मामले में लाइसेंसधारक के पास वास्तविक निर्यात/मान्य निर्यात/वार्षिक आवश्यकता के लिए अग्रिम लाइसेंस धारक को अन्तर्वर्ती उत्पादन की आपूर्ति करने या सीधे निर्यात करने का विकल्प रहेगा ।”

4. पैराग्राफ 7.20 के पांचवे उप-पैराग्राफ के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:-

“ऐसे मामलों में समाप्त लाइसेंस जारी किए जाने के 30 महीनों के पश्चात् किए गए निर्यात हेतु इक्कट्ठा करने पर विचार नहीं किया जाएगा ।”

5. पैरा 7.54 के अंतिम चार उप-पैरे संशोधित करके निम्नानुसार पढ़े जाएँगे:-

लाइसेंस अपने जारी होने के तारीख से आयात हेतु 12 महीने के लिए और निर्यात हेत 18 महीने के लिए वैध होगा। प्रत्येक लाइसेंस का आयात हेतु पंजीकरण का एक पत्तन होगा। निर्यात पैरा 7.19 में उल्लिखित किसी भी पत्तन किया जा सकता है।

पात्रता अवधि के भीतर, लाइसेंसिंग वर्ष में एक या एक से अधिक लाइसेंस हेतु निर्यातक आवेदन कर सकता है बशर्ते पंजीकरण के एक पत्तन के प्रति एक प्रमुख निर्यात उत्पाद समूह के संबंध में केवल एक लाइसेंस जारी किया जा सकता है। एक या एक से अधिक लाइसेंसों, उसी लाइसेंसिंग वर्ष में जारी किए सभी, के प्रति निर्यात दायित्व की पूर्ति होने पर निर्यातक की हकदारी लाइसेंसों के प्रति पूरे किए गए निर्यात दायित्व के बराबर की राशि जितनी मानी जाएगी। निर्यातक उसी लाइसेंसिंग वर्ष में तदनुसार लाइसेंसों हेतु आवेदन कर सकता है बशर्ते, एक लाइसेंसिंग वर्ष में, पंजीकरण के एक पत्तन के प्रति, किसी एक समय एक प्रमुख निर्यात समूह हेतु दो लाइसेंसों की अनुमति नहीं दी जाएगी, जैसाकि परिशिष्ट-1 के क्रमांक 10 में परिभाषित किया गया है।

पात्र आवेदक आनी पात्रता के अनुसार दूसरे वर्ष लाइसेंस हेतु आवेदन कर सकता है। तथापि, तीसरे वर्ष में, प्रथम वर्ष में जारी किए गए लाइसेंसों के संबंध में मानक निवेश उत्पाद मानदंडों के अनुसार लेखा के समायोजन करने के बाद ही लाइसेंस जारी किया जाएगा।

18 महीनों की अवधि के समाप्त होने के बाद लाइसेंस धारक द्वारा पैरा 7.25 में निर्धारित दस्तावेजों को प्रस्तुत करके निर्यात दायित्व की पूर्ति का प्रमाण प्रस्तुत करेगा। निर्यात दायित्व की पूर्ति में वास्तविक चूक के मामले में, लाइसेंस धारक पैरा 7.28 के अनुसार विनियमन हेतु आवेदन कर सकता है।

6. परिशिष्ट 1 के क्रमांक 10 में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:-

” 10. प्रमुख निर्यात उत्पाद समूह हेतु, निम्नलिखित कोड इस्तेमाल करें-

- क. इलैक्ट्रॉनिक उत्पाद
- ख. इंजीनियरिंग उत्पाद

- ग. मछली और मत्स्य उत्पाद
- घ. खाद्य उत्पाद
- ड. हथकरघा
- च. चमड़ा उत्पाद
- छ. प्लास्टिक उत्पाद
- ज. खेलकूद का सामान
- झ. वस्त्र
- त्र. विविध "

7. आई एस ओ 9000/डब्ल्यू एच ओ जी एम पी/एच ए सी सी पी/एस ई आई सी एम एम प्रमाणिक अधिकरणों की सूची वाले परिशिष्ट 32 ख की क्रम संख्या 13 में यथा उल्लिखित अधिकरण के नाम को ठीक करके इस प्रकार पढ़ा जाए- 'एन वी टी क्वालिटी सर्टिफिकेशन प्रा. लिमिटेड'।

8. परिशिष्ट 34 के क्रम संख्या 11 में दिए संदर्भ के विवरण को ठीक करके इस प्रकार पढ़ा जाए- 'शुल्क हकदारी पास बुक स्कीम (डी ई पी बी) लिए आवेदन'।

9. पृष्ठ संख्या 413 'परिशिष्ट-56' में यथा उल्लिखित शब्द 'परिशिष्ट 56' को ठीक करके 'परिशिष्ट 57' पढ़ा जाएगा।

10. परिशिष्ट 57 की क्रम सं. 9 की प्रविष्टि को ठीक करके 'प्रमुख निर्यात उत्पाद समूह' पढ़ा जाएगा।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

एन. एल. लखनपाल, महानिदेशक विदेश व्यापार

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

New Delhi, the 24th July, 2000

**PUBLIC NOTICE NO. 23 (RE-00)/1997—2002**

**F. No. 01/94/180/HB/AM 01/PC IV.**—In exercise of powers conferred under Paragraph 4.11 of the Export and Import Policy 1997—2002, as notified in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, sub-section (ii) vide S.O. No. 283(E) dated 31-3-97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in Handbook (Vol. 1). (RE-00), 1997—2002.

1. The word and expression 'paragraph 5.6' as appearing in the first sentence (4<sup>th</sup> line) of paragraph 6.5 shall be corrected to read as 'paragraph 5.11 of the EXIM Policy'.

2. The first sentence of paragraph 7.11 shall be amended to read as under:-

"The application for grant of advance licence for intermediate supply may be made on the basis of a tie-up agreement with exporter holding an Advance Licence for physical exports /deemed exports/annual requirement."

3. The last sentence, beginning at the 12<sup>th</sup> line, of paragraph 7.11 shall be amended to read as under :-

"The licensee in such case has an option either to supply the intermediate product to the holder of Advance Licence for physical exports /deemed exports/annual requirement or to export directly."

4. The following shall be added at the end of 5<sup>th</sup> sub-paragraph of paragraph 7.20:-

"In such cases the exports effected 30 months after the issuance of the expired licence shall not be considered for clubbing."

5. Last four sub-paragraphs of paragraph 7.54 shall be amended to read as under,-

The licence shall be valid for 12 months for imports and 18 months for exports from the date of its issuance. Each licence will have One port of registration for imports. Exports can take place from any port mentioned in paragraph 7.19.

Within the eligibility, an exporter may apply for one or more than one licences in a licensing year, subject to the condition that against one port of registration only one licence can be issued with respect to one major export product group. On completion of export obligation against one or more licences, all issued in the same licensing year, the entitlement of an exporter shall be deemed to be revived by an amount equivalent to the export obligation completed against the licence(s). An exporter may accordingly apply for licence(s) in the same licensing year subject to the condition that at any point of time, in a licensing year, no two licences shall be allowed to be issued for one major export group, as defined at Sl. No: 10 of Appendix- 1, against one port of registration.

The eligible applicant can apply for licence in the second year as per his eligibility. However, in the third year, licence shall be issued only after settling of accounts as per the SIONs in respect of licence(s) issued in the first year.

After expiry of 18 months the licence holder shall furnish proof of having fulfilled export obligation by submitting the documents prescribing in paragraph 7.25. In case of bona fide default in fulfillment of export obligation, the licence holder can apply for regularization in terms of paragraph 7.28.

6. The following shall be added at S.No: 10 of Appendix-1:-

"10. For Major Export Product Group, use the following codes:-

- A. Electronic Products.
- B. Engineering Products.
- C. Fish and Marine products.
- D. Food Products.
- E. Handicrafts.
- F. Leather Products
- G. Plastic Products
- H. Sport Goods
- I. Textiles
- J. Miscellaneous"

7. The name of the agency, as appearing at Sl. No: 13 of Appendix- 32B containing the list of ISO 9000/WHO GMP/HACCP/SEICMM Certification agencies, shall be corrected to read as 'NVT QUALITY CERTIFICATION PVT. LTD'.

8. The description of particulars at S.No: 11 of Appendix—34 shall be corrected to read as 'Application for Duty Entitlement Pass Book (DEPB)'.

9. The word and expression 'Appendix—56' as appearing at page No: App.413, shall be corrected to read as 'Appendix— 57'.

10. The entry at S.No:9 of Appendix—57 shall be amended to read as 'Major Export Product Group'.

This issues in public interest.

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade

